हरयाळो राजस्थान और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में जुटे 250 से अधिक हाथ

251 पौधे रोपे, अब इन्हें पेड़ बनाने की बारी

पत्रिका हरयाळो राजस्थान
हरियाली से खुशहाली

कार्यक्रम के दौरान पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी की ली शपथ।

एसकेआरएयू में पौधरोपण के साथ संरक्षण की शपथ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. पौधा लगाना आसान है, उसे पेड़ बनाना चुनौती। इसी सोच के साथ शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) परिसर में 250 से अधिक लोगों ने सिर्फ पौधे नहीं लगाए, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक बचाने और संवारने की जिम्मेदारी भी ली।

राजस्थान पत्रिका के 'हरयाळो राजस्थान' और एसकेआरएयू के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुए पौधरोपण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण की शपथ ली।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण के लिए वैज्ञानिक तरीके से अलग ब्लॉक तैयार किया गया है। इसमें जे-37 किस्म के जामुन और 'थार शोभा' किस्म की खेजड़ी के 251 पौधे लगाए गए। इन पौधों के लिए सिंचाई की अलग व्यवस्था की गई है। वहीं नियमित देखभाल और निगरानी की जिम्मेदारी भी तय की गई है। यानी अभियान का लक्ष्य सिर्फ पौधरोपण का आंकड़ा बढ़ाना नहीं, बल्कि लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखकर उन्हें पेड़ के रूप में विकसित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. सुमंत व्यास, राजकीय डूंगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेंद्र पुरोहित, वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद, अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा, सीए सुधीश शर्मा, राजथान पत्रिका के संपादकीय प्रभारी बृजेश सिंह ने पौधरोपण कर किया। परिसर में छायादार, फलदार और पर्यावरण के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

पौधा लगाने से बड़ी जिम्मेदारी देखभाल

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक है, जब पौधा सुरक्षित रहकर वृक्ष बने। केवल एक दिन पौधा लगाने से पर्यावरण नहीं बदलेगा, बल्कि उसके लिए नियमित सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी जरूरी है। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे पौधरोपण के बाद पौधों को उनके हाल पर नहीं छोड़ेंगे और उनकी नियमित देखभाल करेंगे। कार्यक्रम में 250 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में लगाए गए कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक बचाने की जिम्मेदारी निभाए तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया पौधरोपण ब्लॉक

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डॉ. वीर सिंह ने बताया कि पौधरोपण के लिए वैज्ञानिक तरीके से अलग ब्लॉक तैयार किया गया है। डॉ. सुशील और उनकी टीम की देखरेख में तैयार इस ब्लॉक में 251 पौधे रोपे गए हैं। पौधों की नियमित देखभाल के साथ उनके लिए पानी की अलग व्यवस्था भी की गई है।

कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एचएल देशवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीएस आचार्य, डॉ. एसआर यादव, डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. सुभाष बलवदा, डॉ. नीना सरीन, इंजीनियर विपिन लड्ढा, डॉ. ममता सिंह सहित अन्य डीन, निदेशक और अधिकारियों ने पौधरोपण किया।